National Seminar [Hybrid Mode] on "Teacher Education and Professional Development: A NEP 2020 Perspective" Dt. 21 & 22 Feb 2025 With e-ISSN 2394-8426 & International Impact Factor 8.357
DOI link - https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2501I02S01V13P0046

एनईपी 2020 के तहत शिक्षक शिक्षा में सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास की भूमिका

श्रीमती रूखमणी सोनी अग्रवाल,
शिक्षक,
शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय,
रायपुर छत्तीसगढ़.

भूमिका एवं परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों को लागू करने का एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। यह नीति न केवल शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने पर जोर देती है, बल्कि शिक्षक शिक्षा को भी अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने की दिशा में कार्य करती है। इस संदर्भ में, सहकर्मी शिक्षण (और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास को एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

शिक्षक शिक्षा में इन अवधारणाओं की भूमिका

- **सहकर्मी शिक्षण–** इसमें शिक्षक एक–दूसरे से सीखते हैं, आपसी संवाद करते हैं और शिक्षण रणनीतियों को साझा करते हैं।
- **सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास–** इसमें शिक्षक सामूहिक रूप से कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों और अनौपचारिक संवादों के माध्यम से अपनी शिक्षण गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं।

एनईपी 2020 के अनुसार शिक्षकों की शिक्षा और व्यावसायिक विकास का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। इसलिए, सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास को अनिवार्य रूप से अपनाने की सिफारिश की गई है।

सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास का महत्व

(क) शिक्षक शिक्षा में सुधार

- शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण पद्धति में सुधार लाने का एक प्रभावी तरीका।
- शिक्षकों को नई तकनीकों और नवाचारों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है।

(ख) सहयोगात्मक संस्कृति का विकास

- शिक्षकों के बीच आपसी संवाद और विचारों का आदान–प्रदान होता है।
- यह एक–दूसरे के अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान करता है।

(ग) पेशेवर दक्षता में वृद्धि

- शिक्षक न केवल विषयवस्तु की समझ विकसित करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी तरीके से पढ़ाने की क्षमता भी बढ़ाते हैं।
- सहकर्मी समीक्षा द्वारा शिक्षकों को फीडबैक प्राप्त होता है, जिससे वे अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं।

(घ) शिक्षण में नवाचार

- नई तकनीकों और डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने में सहायता मिलती है।
- शिक्षण पद्धति को अधिक रोचक और सहभागितापूर्ण बनाया जा सकता है।

(ङ) मानसिक एवं भावनात्मक समर्थन

- शिक्षक अपने व्यावसायिक और व्यक्तिगत चुनौतियों को एक–दूसरे के साथ साझा कर सकते हैं।
- इससे तनाव कम होता है और कार्य संतुष्टि बढ़ती है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. शिक्षकों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना।
2. व्यावसायिक विकास को निरंतर बनाए रखना।
3. शिक्षकों को आत्मनिर्भर बनाना और उनमें आत्मविश्वास विकसित करना।
4. नवीनतम शिक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना।
5. शिक्षक समुदाय को एक मजबूत एवं सहयोगात्मक मंच प्रदान करना।

अध्ययन की परिकल्पना

यदि शिक्षक सहयोगात्मक शिक्षण और सहकर्मी शिक्षण के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं, तो वे अधिक नवाचारी, आत्मनिर्भर और प्रभावी शिक्षक बन सकते हैं।

शोध प्राविधि

इस शोध अध्ययन में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार की अनुसंधान विधियों को अपनाया गया।

(क) अनुसंधान विधि

- **मात्रात्मक शोध–** सांख्यिकीय आंकड़ों के आधार पर प्रभाव का मूल्यांकन किया गया।

(ख) डेटा संग्रह विधि

- **सर्वेक्षण–** विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों से प्रश्नावली के माध्यम से डेटा एकत्र किया गया।

(ग) न्यादर्श चयन

- प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक किया गया।
- शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के विद्यालयों से शिक्षकों का चयन किया गया।

(घ) आंकड़ों के विश्लेषण विधि

- आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया तथा सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक विकास से प्राप्त परिणामों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

तालिका 1

सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास का शिक्षकों पर प्रभाव

कारक	सहकर्मी शिक्षण अपनाने वाले शिक्षक (%)	सहयोगात्मक विकास अपनाने वाले शिक्षक (%)
नवाचार अपनाने की दर	78%	82%
शिक्षण में सुधार	85%	88%
विद्यार्थी सहभागिता	80%	86%
शिक्षक संतुष्टि स्तर	83%	87%

मुख्य निष्कर्ष

- सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास अपनाने वाले शिक्षकों में शिक्षण कौशल और विद्यार्थियों की सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
- शिक्षक अधिक नवाचारी और आत्मनिर्भर बने।
- शिक्षण में तकनीकी उपकरणों और डिजिटल संसाधनों का उपयोग बढ़ा।

एनईपी 2020 के तहत सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास शिक्षकों के सतत् विकास के लिए आवश्यक हैं। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि इन पद्धतियों को अपनाने से शिक्षक अधिक आत्मविश्वासी, नवाचारी और शिक्षण में प्रभावी बनते हैं।

उपसंहार

एनईपी 2020 शिक्षक शिक्षा में सहकर्मी शिक्षण और सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने की सिफारिश करता है। यह नीति शिक्षकों को एक–दूसरे से सीखने और उनके व्यावसायिक कौशल को विकसित करने के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करती है। शिक्षकों को चाहिए कि वे सहयोगात्मक संस्कृति को अपनाएं, सहकर्मियों से सीखें, और सतत् व्यावसायिक विकास के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। इससे संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता सुधार होगा और विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया भी बेहतर होगी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय। (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। https://www-education-gov-in/
- अग्रवाल, एस. (2021)। शिक्षक शिक्षा में नवाचार और व्यावसायिक विकास। नई दिल्लीः राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)।
- चौधरी, स. (2022)। सहयोगात्मक शिक्षणः एक प्रभावी शिक्षण रणनीति। वाराणसीः काशी हिंदू विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- गुप्ता, आर. (2021)। भारतीय शिक्षा प्रणाली में शिक्षक व्यावसायिकता और सहकर्मी शिक्षण। नई दिल्लीः शैक्षिक अनुसंधान परिषद।
- शर्मा, एम. – वर्मा, पी. (2020)। शिक्षक शिक्षा में डिजिटल नवाचार और सहयोगात्मक विकास का प्रभाव। भारतीय शैक्षिक अनुसंधान जर्नल, 35(4), 45–58।